दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : ...../2022–23 दिनांक : 16.05.2022

प्रकाशनार्थ

दिनांक 16.05.2022, गोरखपुर। भारतीय संस्कृति एवं शिक्षा सदैव से पूरी दुनिया का मार्ग प्रशस्त करती रही है। उसकी जड़ें इतनी गहरी है कि चाहे जितने भी प्रहार, बाह्य आक्रमणकारियों द्वारा किया गया। लेकिन भारतीय संस्कृति एवं उनके मूल्यों ने न केवल प्रतिकार किया है, बल्कि उसे अपने अनुसार परिवर्तित भी किया है। इसी संस्कृति एवं मूल्यों के प्रबल प्रहरी युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज भी रहे हैं। स्वाधीनता के पूर्व भारतीय भूमि को मार्गदर्शकों की सबसे अधिक आवश्यकता थी, उस समय राजस्थान की मिट्टी ने एक ऐसे युगपरुष को पल्लवित एवं पुष्पित किया, जो इस संक्रमण काल में उत्तर भारत में शिक्षा के अग्रदूत बने, साथ ही भारतीय स्वाधीनता संग्राम को न केवल सहयोग एवं दिशा प्रदान की बल्कि भविष्य में भी ऐसे शिक्षित, सुसंस्कृत एवं देशप्रेमी युवाओं को तैयार करने पर बल दिया।

उक्त बातें युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि गोरखपुर के प्रसिद्ध समाजसेवी, श्री प्रमोद नारायण सिंह ने दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज, गोरखपुर में आयोजित समारोह में कही।

कार्यक्रम का शुभारंभ महंत दिग्विजयनाथ जी की मूर्ति पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन व वंदन के साथ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक एवं हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा का प्रचार प्रसार किया। इन्होंने एक ऐसी परंपरा की शुरुआत की जो आज शिक्षा एवं संस्कृति से लेकर स्वस्थ राजनीति तक में पल्लवित एवं पुष्पित हो रही है।

इस अवसर पर समाजसेवी सुधीर कुमार जायसवाल, सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

प्राचार्य